गोलालारीय समाज का मुखपत्र

मासिक
गोलालारीय दर्शन
अपनों के साथ अपनी बातें

सफलता के 13 वर्ष

लेट पोस्टिंग

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/IDC/1252/2021-2023

सेवा में,

golalariya.darshan@gmail.com
गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –
www.golalariya.com
94074-53066

पंचकल्याणक विशेषांक

जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं । हृदय नहीं वह पत्थर है, जिसको समाज से प्यार नहीं ।

वर्ष : 14 अंक : 6 पृष्ठ संख्या : 10 माह – 20 अप्रैल 2023 सहयोग राशी 1100/– देकर सदस्य बनें ।

गोलालारीय समाज इन्दौर का प्रथम ऐतिहासिक पंचकल्याणक साआनंद संपन्न

अनुपमा जैन, इन्दौर । अभूतपूर्व अनुभव......नयनाभिराम दृश्य अंततः इन्दौर गोलालारीय समाज जनों की चिर प्रतीक्षित घड़ियां आ ही गई जब कुमेड़ी स्थित श्री 1008 आदिनाथ जिनालय के अद्वितीय सुसंस्कार पंचकल्याणक महामहोत्सव की मंगल भेरी बज उठी। वह शुभ तिथि थी 8 मार्च से 14 मार्च 2023 और वह पुण्य धरा थी प्रारम गार्डन । यह वही अतिशयकारी पुण्य भूमि थी जहां कोरोना काल में आचार्य भगवान श्री विद्यासागरजी महाराज का प्रवास हुआ था। उनकी चरण रज से इस पुण्य भूमि का भाग्योदय हुआ और पंचकल्याणक का स्थान यहीं निश्चित हुआ । भव्य जिनालय में विराजमान होने वाली तीर्थंकर प्रतिमाओं के भव्यातिभव्य पंचकल्याणक महोत्सव के सूत्रधार बने आचार्य श्री 108 विद्यासागरजी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री 108 विमलसागरजी महाराज, मुनिश्री 108 अनंतसागरजी महाराज, मुनिश्री 108 धर्मसागरजी महाराज व मुनिश्री 108 भावसागरजी महाराज। इनके पावन सानिध्य में इन्दौर गोलालारीय समाज के इतिहास का सबसे भव्य पंच कल्याणक संपन्न हुआ।

इस भव्य पंचकल्याणक के उल्लास दिवस 8 मार्च को प्रात:9 बजे विशाल घटयात्रा निकाली गई। इसमें आसपास स्थित विभिन्न कॉलोनी जैसे विजयनगर, सुखलिया, क्लर्क कॉलोनी, परदेशीपुरा, नंदा नगर , महालक्ष्मी नगर आदि से समाज की महिलाएं एकत्रित हुई और अपने मस्तक पर कलश लेकर नवनिर्मित जिनालय से पंचकल्याणक प्रतिष्ठा स्थल तक शोभायात्रा के रुप में गाजे-बाजे के साथ, भजनों पर नृत्य करते हुए पहुंची। कलशों के प्रासुक जल से पंचकल्याणक प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्रह्मचारी श्री विनय भैयाजी 'बंडा' द्वारा मंत्रोच्चार के द्वारा मंडप शुद्धि और पांडाल शुद्धि कराई गई।

द्वितीय दिवस बीजारोहण 9 मार्च से पंचकल्याणक की विधिवत क्रियाएं आरंभ हुई, जिनमें इंद्रों और विशिष्ट पात्रों द्वारा श्री जी के अभिषेक, शांतिधारा, नित्य नियम पूजन की क्रियाएं की गई। डॉ. रुपेश मोदी और उनके परिवार द्वारा ध्वजारोहण करते ही मंगल वाद्यों के साथ पंचकल्याणक का शुभारंभ हुआ । डॉ. रुपेश मोदी इस जिनालय के भूमि पूजनकर्ता रहे । दोपहर में विनय भैयाजी के निर्देशन में इंद्र-इंद्राणियों ने यागमंडल विधान किया। प्रतिदिन प्रातःकाल और मध्यान्ह में पूज्य गुरुवर श्री विमलसागरजी ससंघ के आशीर्वचन प्राप्त होते थे। 7 बजे संध्या महाआरती, 8 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रारंभ हुये । भोपाल से पधारे सचिन जैन की आर्केस्ट्रा ने संगीत का समा बांधा। इसके पश्चात रात 9 बजे इंद्र सभा में प्रभु के गर्भ कल्याणक की घोषणा हुई। धनपति कुबेर (श्री गौरव-पारुल शाह) ने रत्नवृष्टि की ।

10 मार्च सत्यावतरण दिवस पर इंद्र-इंद्राणियो ने गर्भ कल्याणक की पूजन व विधान में सम्मिलित होकर धर्म लाभ लिया। शाम को भगवान के गर्भ कल्याणक का मंचन हुआ । महाराजा नाभिराय का दरबार सजा, जिसमें मरुदेवी माता (श्रीमती प्रभा-रमेशचंद जैन) के 16 सपनों का वर्णन और महाराज द्वारा उनका समाधान दिया गया।

11 मार्च सत्योद्‌घाटन दिवस पर जन्म कल्याणक में दुंदुभी वाद्य के साथ भगवान के जन्म की घोषणा की गई। सौधर्म इंद्र और शचि इंद्राणी (श्री प्रयंक-शालिनी जैन) बालक को ऐरावत हाथी पर बैठाकर गाजे बाजे के साथ शोभायात्रा सहित पाण्डुक शिला पर ले गये, जहां जन्माभिषेक की क्रियाएं संपन्न हुई। शाम को प्रभु की बाल क्रीड़ा का मंचन किया गया।

12 मार्च (रंग पंचमी) तप कल्याणक - सत्य तथ्य की ओर प्रस्थान दिवस पर आदिकुमार का विवाह, राज्याभिषेक और राज काज का संचालन दिखाया गया। प्रजा के हित में असी, मसी और कृषि की शिक्षा, ब्राह्मी और सुंदरी पुत्रियों को भाषा और गणित विद्या का शिक्षण बहुत मर्मस्पर्शी था। इसके पश्चात नीलांजना नृत्य और आदिकुमार का वैराग्य लेकर दीक्षा लेना, प्रभु की पालकी उठाने के लिए देवताओं और मनुष्यों के बीच विचार वैषम्य का मंचन भी वैराग्य को जगाने वाला था। मुनि श्री के कर कमलों द्वारा भगवान की मुनि दीक्षा व संस्कार देखने का परम सौभाग्य मिला।

13 मार्च ज्ञान कल्याणक - सत्य तथ्योपलब्धि दिवस पर 108 श्री आदिसागर महाराज ने मुनि दीक्षा के उपरांत छह माह की तपस्या तथा 6 माह के पड़गाहन के उपरांत राजा सोम (इंजी. आनंद-कल्पना जैन) व राजा श्रेयांश (श्री अशोक-शोभा जैन) के द्वारा इक्षु रस के रुप में आहार ग्रहण किया। इसी दिन भगवान के समवशरण की सुंदर रचना प्रदर्शित की गई। मुनि श्री ससंघ समवशरण में विराजमान हुए

शेष... पृष्ठ 2 पर...

आचार्य श्री के सानिध्य में अमर कंटक पंचकल्याणक साआनंद संपन्न

श्रेय स्वतंत्र जैन, अनूपपुर । नर्मदा व सोन जैसी पवित्र नदियों के उद्गम स्थल अमरकंटक की वादियों में बने विशाल सर्वोदयतीर्थ एवं सहस्त्र कूट जिनालय में विराजमान होने वाली 1008 अरिहंत परमेष्ठी मूर्तियों के भव्य पंचकल्याणक महोत्सव आचार्य श्री 108 विद्यासागरजी महाराज, पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि श्री प्रसादसागरजी महाराज, मुनि श्री चंद्रप्रभु सागरजी महाराज व मुनि श्री निर्भगसागरजी महाराज के पावन सानिध्य में 25 मार्च से 1 अप्रैल तक संपन्न हुआ । इसके पश्चात 2 अप्रैल रविवार को बड़े बाबा का महामस्तकाभिषेक बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास से संपन्न हुआ ।

इस भव्य पंचकल्याणक के प्रथम दिन शनिवार को दोपहर एक बजे विशाल घटयात्रा निकाली गई इसके पश्चात 3 बजे जैन समाज के दानवीर आरके मार्बल ग्रुप के अशोक पाटनी जी व बिलासपुर के विख्यात कोयला परिवार द्वारा मुनि श्री के पावन सानिध्य व पंचकल्याणक प्रतिष्ठाचार्य श्री विनय भैयाजी बंडा के निर्देशन में ध्वजारोहण व मंडप शुद्धि की गई, 7 बजे संध्या महाआरती, 8 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम व रात 9 बजे इंद्राणियों को आगामी धार्मिक अनुष्ठान के विधि कियायों और संयम के आचरण का प्रशिक्षण, अभ्यास प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्रह्मचारी विनय भैया के निर्देशन में हुआ।

सर्वोदय तीर्थ अमरकंटक का यह सहस्त्र कूट जिनालय भारतवर्ष का प्रथम सहस्त्र कूट जिनालय है जो पूर्ण रूप से पत्थरों से निर्मित तथा जहां सभी अरिहंत परमेष्ठी की प्रतिमाएं विराजमान है । इस भव्य सहस्त्र कूट जिनालय से संपूर्ण अमरकंटक का दृश्य अपने आप में एक अनोखा अविस्मरणीय अनुभव है।

पंचकल्याणक महोत्सव में 1008 इंद्र इंद्राणियो ने पूजन पाठ व विधान में सम्मिलित होकर धर्म लाभ लिया इसमें भगवान के गर्भ कल्याणक जिसमें माता के 16 सपनों का बर्णन दिया गया । इसके पश्चात जन्म कल्याणक में भगवान के जन्म के पश्चात उनका जन्म अभिषेक तथा शाम में बाल क्रीड़ा का वर्णन किया गया। शाम में महाआरती व शास्त्र प्रवचन के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया इसके तत्पश्चात तप कल्याणक के दिन आचार्य श्री के कर

शेष... पृष्ठ 2 पर...

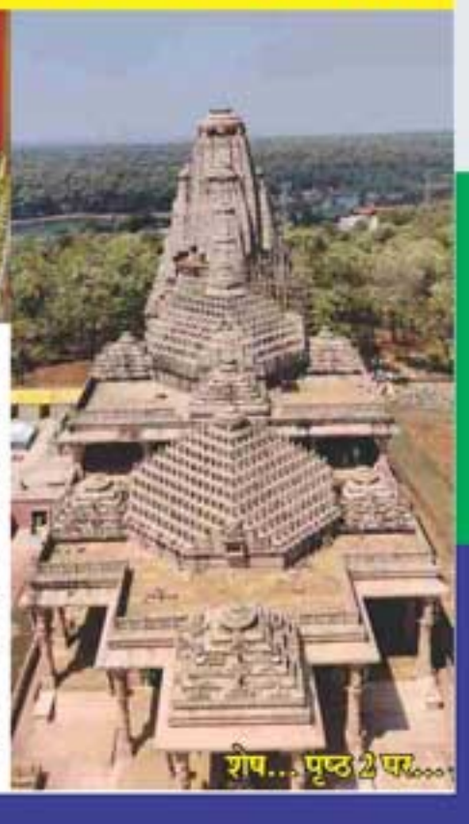

परामर्श प्रमुख

श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद

श्री प्रदीपकुमार जैन, रायपुर

प्रधान संपादक

सिंघई राजेन्द्र जैन 'बागो', 9424013136

सह संपादक

श्रीमती अनुपमा-रजनीश जैन, 9009066884

श्रीमती साधना-सुनील जैन, 8602696165

श्री विशाल जैन, 9453167716

कोषाध्यक्ष

सुधेशकुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक

राजेन्द्रकुमार जैन, सायकलवाले 9425353972

खुशालचंद जैन, 9302123879

कोमलचंद जैन, 9329524227

संयोजक एवं प्रकाशक

बाहुबली जैन, 9827247847

शिरोमणि संरक्षक -

श्री प्रदीपकुमार जैन, रायपुर

श्री सुधेश जैन, इन्दौर

विशेष सहयोगी -

श्री सुरेशचंद जैन,

परवारपुरा, नागपुर

सहयोगी सदस्य -

श्री कुमुदकांत जैन, मंडी बामौरा

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/-
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/-
संरक्षक (अ.जा.)	5100/-
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/-
सहयोगी सदस्य (10 वर्ष)	1100/-

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855 IFSC Code: SBIN0030134 में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।

विज्ञापन दर (कलर)

अंतिम पेज	15000/-
फुल पेज (अंदर)	11000/-
1/2 पेज	5000/-
1/4 पेज	3000/-
मांगलिक बधाई फोटो सहित	2000/-
शोक संदेश फोटो सहित	1000/-
बॉयोडाटा फोटो सहित	350/-

1008 श्री आदिनाथ भगवान का प्रथम महामस्तकाभिषेक साआनंद संपन्न

आदिनाथ जन्म कल्याणक के शुभ अवसर पर नवनिर्मित 1008 श्री आदिनाथ जिनालय में नव प्रतिष्ठित मूलनायक भगवान 1008 श्री आदिनाथ का प्रथम महामस्तकाभिषेक किया गया। पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के समापन के तीसरे ही दिन मूलनायक श्री आदिनाथ भगवान के जन्म कल्याणक के शुभ अवसर पर महामस्तकभिषेक का स्वर्णिम अवसर समाज जनों को प्राप्त हुआ। प्रथम अभिषेक करने का सौभाग्य मिला इंजी. आनंद जैन, श्री शांतिकुमार जैन, श्री भरतेश जैन, श्री बाहुबली जैन परिवार को मिला । साथ ही मंदिर में विराजमान सभी प्रतिमाओं के प्रतिमा पुण्यार्जक परिवारों ने भी अपनी अपनी प्रतिमाओं का प्रथम अभिषेक एवं शांति धारा कर पुण्यार्जन किया । मंदिर कमेटी ने घोषणा की कि प्रतिवर्ष श्री आदिनाथ जन्म कल्याणक के अवसर पर जिनालय में मूलनायक श्री आदिनाथ भगवान का वार्षिक महामस्तकाभिषेक समारोह पूर्वक मनाया जाएगा। मंदिर जी के प्रतिष्ठा समारोह के साथ ही प्रतिदिन अभिषेक और शांति धारा सहित नित्य पूजन, अर्चना विधिवत आरंभ हो गई है। प्रतिदिन अनेक श्रद्धालु अपने विवाह, जन्मदिन या किसी अन्य मंगल अवसर पर अभिषेक और शांति धारा कराकर पुण्यार्जन कर रहे हैं। आप भी प्रतिदिन होने वाली अभिषेक, शांतिधारा के पुण्यार्जन का लाभ ले सकते हैं।

और उपस्थित जन समूह की शंकाओं का समाधान किया। इसी दिन सभी प्रतिमाओं (मूलनायक 1008 श्री आदिनाथ भगवान मूर्ति विराजमानकर्ता श्री भरतेश-पूर्णिमा जैन, विधि नायक - श्री सचिन चंद्रकुमार जैन, 1008 श्री पद्मप्रभु भगवान - श्री प्रयंक-शालिनी जैन, 1008 श्री चन्द्रप्रभ भगवान - श्रीमती कल्पना-राजेन्द्र जैन 'बागो', 1008 श्री पुष्पदंत भगवान - डॉ. समीर-निर्मला जैन, 1008 श्री शीतलनाथ भगवान - श्री राजेश-संगीता जैन, 1008 श्री वासुपूज्य भगवान - श्री राजेन्द्रकुमार-चंदा जैन साइकिलवाले, 1008 श्री शांतिनाथ भगवान - डॉ. रुपेश-रानी मोदी, 1008 श्री मल्लिनाथ भगवान - श्री अशोक-रेखा जैन, 1008 श्री मुनि सुव्रतनाथ भगवान - श्री गौरव-पारुल शाह, 1008 श्री नेमिनाथ भगवान - श्री अनिल शीलचंद जैन, 1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान - श्री नरेश-कल्पना जैन, 1008 श्री महावीर भगवान - श्रीमती चंदा-नवीन पंचरतन) की सूर्य मंत्र के द्वारा प्राण प्रतिष्ठा मुनि संघ द्वारा हुई ।

14 मार्च मोक्ष कल्याणक नगर शोभा यात्रा दिवस पर प्रात: 6:57 पर भगवान का मोक्ष दिखाया गया। भगवान का शरीर कपूर की भांति उड़ गया और उनकी शुद्धात्मा अष्टपद से सिद्धालय में विराजमान हो गई। अग्नि कुमार, देवों ने उनके अवशेषों का अंतिम संस्कार किया । इसके साथ ही पंचकल्याणक की 5 दिन की पूजन और विधान की पूर्ण आहुति स्वरुप और विश्व शांति के लिए इंद्र-इंद्राणियों ने हवन किया। इसके पश्चात मुनिश्री के मुखारविंद से मोक्ष कल्याणक पर्व की विशेषताएं ज्ञात हुई । इसके पश्चात प्रात: 10 बजे भव्य गजरथ फेरी का आयोजन हुआ । इस फेरी में स्वर्ण रथ, रजत रथ तथा ऐरावत रथ की झलक देखने को मिली। इस भव्य फेरी में स्वर्ण रथ पर बैठने का सौभाग्य भगवान के माता-पिता (श्रीमती प्रभा-रमेशचंद जैन), सौधर्म इन्द्र (श्री प्रयंक-शालिनी जैन), धनपति कुबेर (श्री गौरव-पारुल शाह) और महायज्ञ नायक (श्री भरतेश-पूर्णिमा जैन) एवं ध्वजारोहणकर्ता (डॉ. रुपेश-रानी मोदी) परिवार को मिला इसके पश्चात रजत रथ एवं बग्गियों पर सभी मुख्य पात्र (भरत - श्री पुलकित-शिफा जैन, बाहुबली - श्री नीलेश-नीतू जैन, ईशान इन्द्र - श्री राजेश-सुनीता जैन, सनत इन्द्र - श्री घनश्याम-अंजना जैन, माहेन्द्र इन्द्र - श्री नवीन-चंदा पंचरत्न, ब्रह्म इन्द्र - श्री महेन्द्रकुमार-चंदा जैन, ब्रह्मोत्तर इन्द्र - श्री कोमलचंद-पुष्पा जैन, लान्तव इन्द्र - श्री अजित-कल्पना जैन, आणत इन्द्र - डॉ. समीर-निर्मला जैन, कापिष्ट इन्द्र - श्री अनिल-रजनी जैन, प्राणत इन्द्र - श्री मांगीलाल-हेमंत जैन, आरण इन्द्र - श्री प्रकाश-मंजुला जैन, शुक्र इन्द्र - श्री अखिलेश-प्रीति जैन, महाशुक्र इन्द्र - श्री सुगनचंद-उषा जैन, शतार इन्द्र - श्री अभय-रेखा जैन, सहस्रार इन्द्र - श्री राकेश-साधना गोधा, अच्युत इन्द्र - श्री अंकुर-पल्लवी जैन, महामंडलेश्वर - डॉ. शैलेन्द्र-डॉ. खुशबू जैन, श्री अशोक-रेखा जैन, श्री राजेश-संगीता जैन, श्री नरेश-कल्पना जैन, प्रतीन्द्र इन्द्र - श्री अरविन्द-अनीता जैन, श्री देवेन्द्र-सरोज जैन) विराजमान रहे। मुनि श्री विमलसागरजी महाराज ससंघ और अनेक ब्रह्मचारी भैया और बहनें भी इस परिक्रमा में सम्मिलित थे। फेरी में पूरे मार्ग पर कुबेर इंद्र द्वारा रत्नों की वर्षा की गई। अंतिम फेरी के बाद शोभा यात्रा नवीन जिनालय की ओर बढ़ चली, जहां समस्त प्रतिष्ठित मूर्तियों को वेदी में विराजमान किया गया। शिखर पर कलशारोहण के साथ ही 1008 श्री आदिनाथ जिनालय की प्रतिष्ठा और पंच कल्याणक महोत्सव का समापन हुआ।

इस पंचकल्याणक का विशेष आकर्षण रहा, बाल संस्कार शिविर का आयोजन, जिसमें मुनि श्री विमलसागरजी ससंघ के द्वारा बाल ब्रह्मचारी श्री विनय भैया के निर्देशन में 8 वर्ष से अधिक अविवाहित बालकों का अष्टमूलगुण संस्कार किया गया। इस शिविर में देश भर से अनेक बालक अपने माता-पिता के साथ उपस्थित हुए, जिन्हें मुनि श्री ने भावी श्रेष्ठ श्रावक बनने के लिए मूल संस्कारों का सिंचन किया। छोटे छोटे बालक श्वेत वस्त्रों में मुंडन कराकर पंक्तिबद्ध मंच पर आसीन हुए । मुनि श्री ने उनके मस्तक पर चंदन से स्वस्तिक का आलेपन कर मंत्रोचार द्वारा संस्कारित किया। सभी बालकों को अभिषेक, शांतिधारा का अवसर मिला और अष्ट द्रव्य द्वारा पूजन का प्रशिक्षण दिया गया। मुनि श्री ने सभी बालकों को जाप हेतु चांदी के मोतियों की माला प्रदान की।

इस भव्य पंचकल्याणक में मुख्य पात्रों और प्रतिमा पुण्यार्जकों के लिए आवास की व्यवस्था प्रारम गार्डन में की गई थी व सभी श्रद्धालुओं के लिए प्रतिदिन सुबह और शाम के भोजन की समुचित व्यवस्था की गई थी। महोत्सव के वात्सल्य पुण्यार्जक परिवार - श्री अरविन्द-उषा जैन एबीएस परिवार, श्री महेन्द्र, जिनेन्द्र-भारती जैन 'सायकिलवाला परिवार', डॉ. प्रमेश-डॉ. टीनू जैन, श्री नितिन-प्रिया जैन, श्री धर्मेन्द्र-संध्या जैन 'सिनकेम परिवार', श्री अनिल-सुलोचना जैन फणीश परिवार का हम आभार मानते है जिन्होंने इस व्यवस्था में धनराशि भेंट कर सहयोग प्रदान किया । पंचकल्याणक महोत्सव में द्रव्य सामग्री पुण्यार्जक श्रीमती रतनामाला, मनोज-कल्पना, मुकेश-रश्मि, मोहित-मयूरी बाकलीवाल परिवार का हम हृदय से आभार मानते है । पंचकल्याणक में मुनि संघ के आहारचर्या के लिए चौकों की व्यवस्था श्रीमती आशारानी पांड्या, विजयनगर श्री अशोककुमार जैन, कॉलोनी नगर श्री अजय-अर्चना जैन महावीर नगर, इंजी. आनंदकुमार जैन परिवार, उषा नगर व श्री पुष्पेन्द्र-रुचिका जैन स्कीम नं. 74 की ओर से बनाई गई थी, हम इन सभी परिवारों का हृदय से आभार मानते हैं। भोजन व्यवस्था के सुचारु संचालन के लिए श्री परवार समाज के सीए महेन्द्र जैन, श्री डी.के. जैन, श्री कमलेश जैन व श्री दिलीप बज के साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों, सोशल ग्रुप और महिला मंडलों ने उत्साहपूर्वक सहयोग किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान शानदार व्यवस्थाओ ने समाज को गौरवान्वित किया। इस भव्य समारोह में न केवल गोलालारीय समाज, बल्कि सभी समाजों ने, समाज के प्रतिनिधियों ने और महिला मंडलों ने बढ़ चढ़कर सहयोग किया। इन्दौर शहर के विभिन्न सुदूरवर्ती स्थानों से भी भक्तगणों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर भक्ति रस का पान किया। ऐसे भव्य पंचकल्याणक महोत्सव को इन्दौर के इतिहास में लंबे समय तक याद किया जाएगा।

26 मार्च, रविवार को पंचकल्याणक महोत्सव समिति द्वारा महोत्सव के सभी प्रमुख पात्रों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया तथा पंचकल्याणक महोत्सव में भगवान के माता-पिता, सौधर्म इन्द्र व धनपति कुबेर की भूमिका निभाने वाले और समाज के वरिष्ठ सदस्य व न्यास के स्थाई ट्रस्टी श्री रमेशचंदजी जैन के परिवार को सिंघई पद से सुशोभित किया गया । हमें गर्व है कि श्री रमेशचंदजी के परिवार ने इस पंचकल्याणक महोत्सव में अपनी विशेष भूमिका निभाते हुए सम्पूर्ण समाज के सदस्यों को पंचकल्याणक महोत्सव में धर्म लाभ लेने का मंगल अवसर प्रदान किया। इसके साथ ही पंचकल्याणक में भोजन व द्रव्य साम्रगी का सहयोग देने वाले परिवार व भोजन व्यवस्था को सुचारु रुप से संचालित करने वाले श्री परवार समाज के साथ सोशल गुप और महिला मंडल को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया पंचकल्याणक महोत्सव में नगर के अनेक क्षेत्रों में णमोकार मंत्र की कॉपियां, साड़ियां और धोती दुपट्टे वितरण की व्यवस्था जिन सदस्यों ने संभाली थी उन सभी को भी स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया इसके अतिरिक्त संचालक महोत्सव में किसी भी प्रकार से सहयोग देने सदस्यों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया ।

अमरकंटक पंचकल्याणक का शेष...

कमलों द्वारा द्वारा भगवान की मुनि दीक्षा व संस्कार देखने का परम सौभाग्य मिला ।

भगवान की मुनि दीक्षा के उपरांत छह माह की तपस्या के पश्चात तथा 6 माह के पडगाहन के उपरांत राजा सौम्य व राजा श्रेयांश के इक्षु रस के रूप में आहार ग्रहण किया । ज्ञान कल्याणक के दिन भगवान के समवशरण की सुंदर रचना प्रदर्शित की । सभी प्रतिमाओं की सूर्य मंत्र के द्वारा प्राण प्रतिष्ठा हुई। अगले दिन मोक्ष कल्याणक में सुबह 6:20 पर भगवान का मोक्ष दिखाया गया इसके पश्चात मुनि श्री प्रसादसागरजी महाराज के मुखारविंद से मोक्ष कल्याणक पर्व की विशेषताएं ज्ञात हुई तथा उन्होंने बताया कि मोक्ष कल्याणक के इस अवसर में आने से पहले उन्होंने आचार्य श्री से आशीर्वाद ग्रहण किया ।

भगवान के मोक्ष के पश्चात पूजन विधान व हवन संपन्न हुआ जिसके पश्चात दोपहर 2:00 बजे भव्य फेरी का आयोजन हुआ इस फेरी में स्वर्ण, रजत तथा ऐरावत रथ की झलक देखने को मिली । इस भव्य फेरी में स्वर्ण, रजत पर बिलासपुर समाज के गौरव कोयला परिवार तथा जैन समाज के गौरव आरके मार्बल ग्रुप के पाटनी परिवार को मिला । इसके पश्चात रजत व एरावत रथ पर सभी मुख्य पात्र उपस्थित रहे तथा इस फेरी में कुबेर इंद्र द्वारा रत्नों की वर्षा की गई ।

इसी के साथ सहस्त्र कूट जिनालय में रखी जाने वाली समस्त 1008 मूर्तियों का पंडाल से सहस्त्र कूट जिनालय में विराजमान करने हेतु गमन हुआ तथा एक-एक करके क्रेन के द्वारा सहस्त्र कूट जिनालय में इन मूर्तियों को प्रतिष्ठित किया गया । इसमें समस्त अमरकंटक समिति व आसपास के सभी जनों द्वारा सहयोग दिया गया । शाम में नवनिर्मित बड़े बाबा के मंदिर में भक्तामर व आरती का आयोजन किया गया इसके पश्चात भजन व भक्ति की गई जिसकी झंकार अमरकंटक की इन वादियों में गुंजायमान हुई। सर्वोदय तीर्थ अमरकंटक के इस नवनिर्मित सहस्त्र कूट जिनालय पर सभी प्रतिमाएं स्थापित है तथा हम सभी इसका धर्म लाभ ले सकते हैं । अमरकंटक में आयोजित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा और गजरथ महोत्सव में शामिल होने के लिए देश के कोने कोने से जैन धर्मावलंबी अमरकंटक हजारों की संख्या में पहुंचे । यहां के मेला ग्राउंड में बने विशाल पंडाल में आयोजन की सारी प्रक्रियाएं संपन्न हुई। इनकी सुविधा के लिये अनूपपुर, पेण्ड्रारोड, बुढ़ार, शहडोल और बिलासपुर से निःशुल्क बस सेवा स्थानीय समाज द्वारा दी गई। इस भव्य पंचकल्याणक में बाहर से आए यात्रियों के रहने के लिए आवास व भोजन की समुचित व्यवस्था की गई ऐसे भव्य पंचकल्याणक समिति का सभी ने आभार व्यक्त किया।

जिओ और जीने दो के सन्देश के साथ निकली भगवान महावीर की शोभायात्रा।

राजेश जैन, झांसी । जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महामहोत्सव झाँसी नगर के सभी जैन मंदिरों में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

प्रातः काल कटरा मंदिर, सिविल लाइन, सदर बाजार, नगरा, करगुवां जी एवं अन्य जैन मंदिरों से प्रभात फेरी निकाली गई। श्वेत वस्त्रों में पुरुष वर्ग एवं पीले वस्त्रों में महिलाएं भगवान महावीर स्वामी के जियो और जीने दो के संदेश के साथ बधाई गीत गाते हुए ढोल नगाड़ों के साथ चल रहे थे। जगह-जगह भगवान महावीर की आरती की गई। प्रातः काल की बेला में करगुवां जी से भगवान महावीर स्वामी की विशाल पालकी शोभायात्रा निकाली गई। इसी समय करुणा स्थली पर भगवान महावीर स्वामी की विशाल पद्मासन मूर्ति का बड़े ही हर्षोल्लास व आनंद के साथ अभिषेक किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने उपस्थित रहकर पुण्यार्जन किया । शहर स्थित पंचायती बड़ा मंदिर से उपाध्याय विहसंत सागर एवं मुनि श्री अविचल सागरजी के सानिध्य में रथयात्रा निकाली गई जिसमें भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा विराजमान कर रथ यात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए गांधी भवन पहुंची । जहां रास्ते में इस शोभा यात्रा का जगह-जगह स्वागत हुआ और पुष्प वर्षा की गई। इस दौरान आयोजित धर्म सभा में आचार्य श्री विद्यासागरजी के परम शिष्य मुनि श्री अविचल सागरजी महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि जीव दया ही मानव समाज का सबसे बड़ा धर्म है उन्होंने कहा कि गायों के लिए एक हाईटेक अस्पताल खुलने का संकल्प झांसी जैन समाज ने लिया है जिसे जल्द ही सभी के सहयोग से पूर्ण किया जायेगा। हालांकि महाराज श्री के आशीर्वाद एवं निर्देशन में दतिया सोनागिर में दया भावना फाउण्डेशन के अंतर्गत लगभग 20 बीघा जमीन में घायल पशुओं के इलाज के लिए एक हाईटेक अस्पताल का निर्माण प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि अभी तक झांसी ग्वालियर हाईवे पर पिछले 2 सालों में लगभग 1700 गायों का इलाज कर उनको पास की गौशाला में छोड़ दिया गया है। मूक पशुओं के लिए महाराजश्री के द्वारा किये जा रहे कार्यों के लिए पूर्ण बुन्देलखण्ड जैन समाज के अलावा अन्य समाज भी सराहना कर इस सेवा अभियान में तेजी से जुड़ रही है। संध्याकाल की बेला में बड़ा बाजार रामलीला मंच पर भगवान महावीर की दिव्य देशना हुई जिसमें उपाध्याय विहसंत सागरजी ने कहा कि भगवान महावीर का उपदेश जन-जन के लिए उपकारी है इसके साथ ही 1008 दीपकों से भगवान महावीर की महाआरती हुई । इस मौके पर भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन 'आदित्य' नगर विधायक रवि शर्मा, राजेश जैन 'सभासद', प्रवीण जैन, शैलेंद्र जैन, राजीव जैन, राजेन्द्र जैन, सतीश जैन, रमेश अच्छरौनी, विजय जैन, राजकुमार भंडारी, डॉ जिनेंद्र जैन, डॉ. निर्देश जैन, डॉ. अर्पित जैन, डॉ. विपिन जैन,

गौरव जैन अंकित सराफ, मनोज सिंघई, मनोज जैन, जितेंद्र जैन, अरिहंत जैन, उमंग जैन, महेशचंद जैन, बी.के. जैन **IFS,** दुष्यंत जैन, बाहुबली जैन आदि सैकड़ो की संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे। इसके साथ ही झांसी शहर के प्रमुच चौराहे इलाइट पर जैन मिलन झांसी, दया भावना फाउण्डेशन एवं भारत विकास परिषद रानी झांसी शाखा की ओर से मीठे दूध एवं ठंडाई का वितरण किया गया जिसमें मुख्य रुप से राजेश जैन, दीपक वार्ष्णेय, राजीव जैन, बीके जैन, दीपक जैन, सनी जैन, नितेश जैन, विनय जैन, चंद्रकांत गोयल, विनय अग्रवाल, हरीश अग्रवाल, जुगल अग्रवाल, शैलेन्द्र अग्रवाल, भानू अग्रवाल, प्रभास खंडेलवाल, विशाल बत्रा, राशि जैन, कमलेश जैन, रुचि जैन, आयुषी जैन, अंजना जैन, सुनीता जैन, रंजना जैन, स्मिता जैन, सविता जैन, रागिनी जैन, रजनी जैन, दिप्सी जैन आदि उपस्थित रहे।

भगवान महावीर के जन्म कल्याणक के अवसर पर निकाला गया भव्य चल समारोह

शांतिकुमार जैन, गंजबासौदा । संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज की परम प्रभावक शिष्या आर्यिका माँ अनंतमति माताजी ससंघ के सानिध्य में भगवान महावीर का जन्मकल्याण महोत्सव बड़े ही भक्तिभाव के साथ मनाया गया। जन्महोत्सव के उपलक्ष में सकल जैन समाज के द्वारा एक भव्य चल समारोह का आयोजन किया गया। चल समारोह श्री पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर धूसरपूरा से प्रारंभ होकर, श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर गांधी चौक से सावरकर चौक, जय स्तंभ चौक, सुभाष चौक, मिल रोड होते हुए महावीर विहार पहुंचा । विमान जी चल समारोह में क्रमशः ऐरावत हाथी, अश्व रथ, अष्ट प्रातिहार्य, पाठशाला के छोटे-छोटे बच्चों द्वारा तैयार की गई सुंदर झांकीयां, झांकियों के पीछे भजन मंडली, उसके बाद बालिका मंडल एवं महिला मंडल द्वारा दिव्य घोष के साथ आकर्षक प्रस्तुतियां दी गई । महिला मंडल के पीछे अनंतमति सहित 12 आर्यिका माताजी चल समारोह को सुशोभित कर रही थीं। आर्यिका माताजी के बाद चल समारोह में नगर के सभी प्रमुख सेवादल के युवा अपने अपने दिव्यघोषों से नगर को गुंजायमान कर रहे थे। सेवादल के पीछे भगवान महावीर चांदी की पालकी में विराजमान होकर नगर के प्रमुख मार्गों से निकले। सभी पुरुष श्वेत वस्त्र एवं महिलाएं केसरिया साड़ी पहनकर चल समारोह में सम्मिलित हुई । नगर के प्रमुख मार्गों एवं प्रमुख चौराहों को दुल्हन की तरह सजाया गया। सभी धर्म प्रेमी बंधुओं ने अपने-अपने घर के बाहर निकलकर विमान में विराजमान भगवान महावीर की आरती एवं वंदना की। रघुकुल युवा परिषद सहित कई सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों ने जुलूस में सम्मिलित धर्मावलंबियों का जलपान से स्वागत किया। स्थानीय विधायक लीना जैन सहित सभी जनप्रतिनिधियों ने चल समारोह में सहभागिता की। चल समारोह का समापन स्थानीय महावीर विहार प्रांगण में किया गया। महावीर विहार पहुंचे सभी धर्म प्रेमी बंधुओं को माताजी की मंगल देशना सुनने का शुभ अवसर प्राप्त हुआ । प्रवचन के उपरांत भगवान महावीर के मस्तक पर अभिषेक एवं शांति धारा करने का सौभाग्य उपस्थित जन समुदाय को प्राप्त हुआ । दोपहर में स्थानीय जय स्तंभ चौक पर श्री आदिनाथ त्रिमूर्ति दिगम्बर जैन मंदिर के तत्वावधान एवं सकल जैन समाज के सहयोग से मिष्ठान वितरण का आयोजन किया गया । रात्रि में 108 दीपकों से भगवान की महाआरती एवं बधाई गीत का आयोजन हुआ और नगर की सभी पाठशालाओं के छोटे-छोटे बच्चों एवं महिलाओं द्वारा आकर्षक नाट्य प्रस्तुति दी गई। चल समारोह में स्थानीय पुलिस प्रशासन का भरपूर सहयोग रहा । भगवान महावीर जन्म महोत्सव के उपलक्ष्य में श्री त्रिमूर्ति जिनालय बरेठ रोड मंदिर समिति के तत्वावधान में पंछियों के लिए जल पात्र एवं नगर के मुख्य चौराहे पर मिष्ठान वितरण किया गया।

ग्वालियर में भगवान महावीर स्वामी का जन्मोत्सव की झलकियाँ...

इन्दौर के महालक्ष्मी नगर में महावीर जयंती की शोभा यात्रा

निर्माणाधीन मंदिर अंबिकापुर परमहंस नगर, इन्दौर सुबह की प्रभात फेरी की झलकी

पंचकल्याणक महामहोत्सव के ऐतिहासिक यादगार क्षण...

भगवान महावीर स्वामी जन्म कल्याणक महोत्सव पर गूंजे जियो और जीने दो के नारे।

विमानोत्सव कार्यक्रम में निकली श्रीजी की भव्य शोभायात्रा। * 16 दिवसीय शान्तिनाथ महामंडल विधान में हो रही धर्म की प्रभावना।

विशाल जैन पवा। तालबेहट (ललितपुर) सिद्ध क्षेत्र पावागिरी सहित कस्बे के दोनों जैन मंदिरों में जैन धर्म के 24 वें तीर्थकर वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी का 2622वां जन्म कल्याणक महोत्सव प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बहुत ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। जिसमें सुबह प्रभात फेरी के उपरांत मंदिरों में भगवान महावीर स्वामी का अभिषेक, शांतिधारा, पूजन विधान हुआ तत्पश्चात पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के निकट चौराहे, दोनों बस स्टैंड, रामलीला मैदान और पेट्रोल पम्प तिराहे पर प्रसाद वितरण किया एवं 'अन्न खाओगे तो अनाज की पैदावार बढ़ेगी' का नारा बुलंद करते हुए अहिंसा, जीवदया, करुणा और परोपकार की भावना जागृत कर भगवान महावीर स्वामी के आदर्श 'जियो और जीने दो' पर चलने का आह्वान किया। दोपहर को विमानोत्सव कार्यक्रम में भगवान महावीर स्वामी की भव्य शोभायात्रा निकाली गयी। जिसमें तैलीय चित्रों की झांकी, वीर प्रभु की सुन्दर आकर्षक झाँकियां, डी जे बैंड की धार्मिक धुनों पर नृत्य करते युवा, श्रीजी को विमान में लेकर श्रद्धालु, अश्वरथ एवं बग्गियों में धर्मध्वजा लेकर धर्मश्रेष्ठी, सत्य अहिंसा के नारे लगाते हुए पुरुष वर्ग एवं मंगल गीत गाते हुए महिलाएं चल रही थी। जिसमें डांडिया नृत्य अति सराहनीय रहा। सभी भक्तों ने अपने द्वारों को रंगोली से सजाकर श्रीजी की मंगल आरती उतारी एवं शोभायात्रा का स्वागत किया, जो बड़ा मंदिर से प्रारंभ होकर मर्दन सिंह स्टेच्यू से होते हुए रामलीला मैदान से नया मंदिर से वापसी होकर बर्फ फैक्ट्री के रास्ते सब्जी मंडी से होते हुए बड़ा मंदिर पहुंची । जहाँ श्री जी के कलशाभिषेक, शांतिधारा, फूलमाल की क्रियाएं संपन्न की गयी। रात्रि में मंगल आरती, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भगवान का पालना झूला का आयोजन किया गया। पं. विजयकृष्ण शास्त्री ने कहा भगवान महावीर स्वामी के द्वारा प्रतिपादित अहिंसा, अस्तेय, अचौर्य, ब्रह्मचर्य एवं अपरिग्रह जैसे सिद्धांतों का अनुसरण करें एवं उनके बताए मार्ग पर चलें तो निश्चित ही मानव जीवन का कल्याण होगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में कमल मोदी, मिठवा संत प्रसाद, डॉ. महेंद्र जैन, अनिल कुमार, सुरेंद्र जैन, राजीव कुमार, प्रकाशचंद्र, कमलेश सिरसी, शैलेष जैन, राकेश मोदी, सुनील कुमार, महावीर जैन, मनोज कुमार, प्रवीन कुमार, सजल मोदी, अजय जैन, आलोक जैन, सुधीर कुमार, रीतेश चौधरी, अनुराग मिठया, आशीष जैन, रोहित बुखारिया, आकाश चौधरी, सौरभ जैन, आदेश मोदी, अभिषेक कुमार, आयुष जैन सहित अहिंसा सेवा संगठन, वीर सेवा दल, जैन युवा सेवा संघ, भारतीय जैन मिलन वासुपूज्य एवं महिला शाखा, बालिका एवं महिला मण्डल और सकल दिगम्बर जैन समाज का सक्रिय सहयोग रहा। संचालन चौधरी चक्रेश जैन एवं आभार व्यक्त अध्यक्ष मोदी अरुण कुमार जैन ने किया।

वहीं वासुपूज्य दिगम्बर जैन मंदिर में भारतीय नववर्ष के आगमन और 16 दिवसीय पखवाड़े में चैत्र प्रतिपदा एकम से 16 दिवसीय शान्तिनाथ महामंडल विधान एवं हवन का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिदन भारी संख्या में धर्माबिलंबियों ने पहुँचकर पुण्यार्जन किया। प्रतिदिन नित्यमय अभिषेक, शांतिधारा, पूजन विधान सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम अनुष्ठान आयोजित किये गये। इस मौके पर अनिल जैन बबीना ने कहा भाग्य को प्रबल बनाने के लिए अपने पुण्य को बढ़ाना चाहिए । कार्यक्रम को सफल बनाने में मंदिर समिति के अध्यक्ष पुष्पेंद्र जैन विरधा, महामंत्री प्रवीण कुमार जैन कड़ेसरा, कोषाध्यक्ष चक्रेश जैन बुढ़पुरा, महेंद्र कुमार, राजेंद्र जैन, अशोक जैन, वीरेंद्र कुमार, देवेंद्र बसार, राकेश सतभैया, विजय कुमार, सुशील मोदी, प्रदीप एड, संतोष माताटीला, जितेन्द्र जैन, श्रेयांश बबीना, कपिल मोदी, हितेन्द्र पवैया, विकास पवा, स्वतंत्र जैन, नीलेश गरेठा, सुरेंद्र विरधा, प्रशन्न जैन, अरविन्द कुमार, पंकज भंडारी, अजय मोनू, मनीष जैन, अंजेश कुमार, अमन जैन आदि का सक्रिय सहयोग रहा।

पुण्य कार्यों से भाग्य बनाने पर ही मेहनत फलीभूत होगी - बा.ब्र. अरुण भैया

सिद्धचक्र महामंडल विधान के समापन पर निकले विमान। अहिंसा सेवा संगठन द्वारा आयोजित तम्बोला प्रतियोगिता में सेजल प्रथम।

विशाल जैन, पवा । तालबेहट (ललितपुर) कस्बे के वासुपूज्य दिगम्बर जैन नया मंदिर में श्रीमज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक एवं मूर्ति प्रतिष्ठा कार्यक्रम की 5वीं वर्षागांठ पर राष्ट्रसंत आचार्य गुरुवर विद्यासागरजी महाराज के मंगलमय आशीर्वाद और निर्यापक श्रमण आत्मसाधक परम तपस्वी मुनि पुंगव सुधासागरजी महाराज की पावन प्रेरणा से अष्टान्हिका महापर्व में 27 फरवरी से 7 मार्च तक विधानाचार्य बा.ब्र.भैया अरुण कुमार सागर के निर्देशन में भव्य महासिद्धिकारक सिद्धचक्र महामंडल विधान विश्व शांति महायज्ञ एवं हवन के उपरांत विमानोत्सव का आयोजन किया गया। 27 फरवरी को प्रातः घटयात्रा, सकलीकरण, इन्द्र प्रतिष्ठा, मंडप शुद्धि, पात्र शुद्धि, ध्वजारोहण, मंगल कलश एवं अखंड दीप की स्थापना, जाप्यानुष्ठान के उपरांत 8 दिन तक द्विगुण-द्विगुण विधान में सिद्धों की आराधना की गयी। 6 मार्च को सुबह अभिषेक, शांतिधारा, पूजन विधान के उपरांत सैकड़ो श्रद्धालुओं ने सिद्धों की आराधना कर भक्तिभाव से 1024 अर्घ समर्पित किये और 7 मार्च को विश्व शांति महायज्ञ एवं हवन में पूणाहुति दी। मंगलाचरण बाल ब्रह्मचारी गीतू दीदी, सीमा दीदी, रानू दीदी ने किया। बा.ब्र. अरुण भैया ने धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए श्रीपाल मैना सुंदरी चारित्र का वर्णन किया एवं कहा शाश्वत और मांगलिक सिद्ध चक्र महामंडल विधान मनोकामना पूर्ति और इच्छित फल को प्राप्त करने का सशक्त और उपयुक्त माध्यम है। उन्होंने धर्म का मर्म समझाया एवं कहा की मानव जीवन को सफल बनाने के लिए संयम धारण करना चाहिए। धर्म को ढंग से करो, ढोंग नहीं करना चाहिए, दृष्टि बदलने से सृष्टि बदल जाती है। उन्होंने जैन धर्म में देव दर्शन, पानी छानकर पीने एवं रात्रि में भोजन न करने के साथ श्रावक के छह कर्त्तव्यों को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा पुण्य कार्यों से भाग्य बनाने पर ही मेहनत फलीभूत होगी। पुण्य और पाप भाग्य के मूल आधार हैं । उन्होंने सम्यकदर्शन के प्रथम नि:शांकित अंग की व्याख्या करते हुए अपनी दिव्य देशना में कहा कि अगर कोई जीव एक बार सम्यकदर्शन को प्राप्त करले तो नियम से उसका निकटभव में कल्याण निश्चित है। जो सभी प्रकार की शंकाओं से रहित होकर वीतरागी देव-शास्त्र-गुरु पर श्रद्धान करता है वही सच्चा जिनधर्म का उपासक कहलाता हैं। विमानोत्सव कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने श्रीजी की ऐतिहासिक शोभायात्रा निकाली। इस दौरान श्रीजी को विमान और 9 पालकियों में लेकर श्रावक, बग्गी में धर्मध्वजा लेकर धर्मश्रेष्ठी, डीजे बैंड की धार्मिक धुनों पर नृत्य करते युवा, मंगल गीत गाती हुई महिलाएं, सत्य अहिंसा के नारे और महावीर स्वामी के जयकारे लगाते हुए पुरुष कस्बे के प्रमुख मार्गों से नगर भ्रमण कर पारसनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर होते हुए वापस वासुपूज्य जिनालय पहुंचे। जहां पं. विनोद कुमारजी शास्त्री, बबीना के नेतृत्व में कलशाभिषेक शांतिधारा एवं फूलमाल का आयोजन किया गया। जिसमें सौधर्म इंद्र रचना अनिल कुमार जैन, महायज्ञ नायक मनोज कुमारी अशोक जैन, प्रीति श्रेयांश कुमार जैन बबीना, सुमन विजय कुमार जैन एवं माला सुदर्शन जैन बांसी, धनकुबेर इन्द्र सुरभि समर्पण जैन, श्रीपाल-मैनासुंदरी विभा अर्पण जैन, ईशान इंद्र आकांक्षा राहुल जैन, सनतकुमार इन्द्र मोनिका शुभम जैन, माहेन्द्र इन्द्र प्रीति शरद जैन बड़गांव, राजेन्द्र जैन ग्वालियर, रेखा सनत जैन टीकमगढ़, रीता अंकित जैन ललितपुर, राजेन्द्र जैन टूंका, जयकुमार वीरेंद्र जैन ढकरई, कैलाशचंद्र गेवोरा, संतोष जैन पठारी, अटल जैन नयाखेड़ा, पुष्पेंद्र जैन विरधा, वीरेंद्र जैन बामौर, महेन्द्र कुमार, अशोक जैन कड़ेसरा, चक्रेश कुमार, स्वतंत्र जैन बुढ़पुरा, जितेन्द्र जैन बड़ौरा, प्रबल, वैभव आदि ने प्रमुख भूमिका निभायी। रात्रि में महाआरती मंगल प्रवचन के उपरांत अहिंसा सेवा संगठन के तत्वाधान में तम्बोला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सेजल जैन विरधा, अंकित जैन गुन्देरा, मनोज कुमारी बबीना एवं सुरेंद्र कुमार झाँसी विजयी रहे। मंदिर समिति ने पुण्यार्जक सुमतरानी भागचंद्र जैन वैद्य परिवार, सुरेन्द्र कुमार महेन्द्र कुमार जयकुमार जैन पवैया परिवार एवं प्रमुख पात्रों का माल्यार्पण कर शॉल श्रीफल के साथ स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में सकल दिगम्बर जैन समाज का सक्रिय सहयोग रहा । संचालन अजय जैन मोनू एवं आभार व्यक्त मंदिर समिति के महामंत्री प्रवीन जैन कड़ेसरा ने किया।

महावीर जयंती - विदिशा

महावीर जयंती के शुभ अवसर पर श्री गोलालारीय दिगंबर जैन समाज, विदिशा द्वारा जन सामान्य के लिए शीतल जल (प्याऊ) का शुभारंभ किया गया । इस अवसर पर समाज के वरिष्ठगण श्री आनंद जैन, श्री नरेन्द्र जैन, डॉ. राहुल जैन (सचिव) एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहें।

महावीर जयंती - ललितपुर

भगवान महावीर जयंती के अवसर पर जैन संस्कार युवा मंडल ललितपुर के सानिध्य में शीतल जल वितरण एवं कोल्ड ड्रिंक का वितरण शोभा यात्रा के दौरान किया गया । इस अवसर पर दिगम्बर जैन गोलालारीय समाज के सम्मानित श्रेष्ठिगण, पदाधिकारी एवं युवा मंडल के सदस्य उपस्थित रहे।

चलो चलें कुमेड़ी, आनंद छाया है

चलो चलें कुमेड़ी, आनंद छाया है
जागे निर्वाणा के भाग्य आनंद छाया है
छाया है भई छाया है ।।
विद्या गुरु से आशीष पाया, अति सुंदर मंदिर बनवाया
छाई चारों और बहार, आनंद छाया है
आदिनाथ भगवान विराजे, विमल सागर ससंघ पधारे
हो रही जय जयकार आनंद छाया है ।
पंचकल्याणक नगर में गजरथ, विश्व शांति के लिए महायज्ञ
हुआ जन जन का कल्याण, आनंद छाया है ।
नाम नाम में क्या रखा है, जीवन यूं ही निकल गया है
करते रहो शुभ काम, आनंद छाया है....
चलो चले...

- कमलचंद जैन, इन्दौर

वर्तमान में विवाह नहीं मंगनी टूट रही हैं क्यों ?

समाज में कुंडली मिलान के साथ साथ प्रत्याशी के बारे में पूछताछ भी मंगनी टूटने की एक वजह बनती जा रही है जिस कारण समाज के अविवाहित युवकों और युवतियों की आयु बढ़ती जा रही है। कुंडली मिलान पर कई बार चर्चा हुई परंतु इसका लाभ समाज के कुछ ज्यादा नहीं दिख पा रहा है।

आजकल कई प्रकरण आ रहे हैं जहाँ समाजजनों से पूछताछ गलत मिलने पर बात आगे नहीं बढ़ पाती, मुलाकात तक नहीं होती। ध्यान देने की बात यह है कि आप जिस व्यक्ति से पूछताछ करवा रहे हैं, वह किसी तीसरे व्यक्ति को फोन करता है और तीसरा किसी चौथे व्यक्ति से जानकारी हासिल करता है... अगर प्रत्याशी के परिचितों को फोन लग गया तो पूछताछ अच्छी, अगर ईर्ष्यालु को फोन लगा तो पूछताछ गलत। इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता कि मनुष्यों में एक दूसरे के प्रति ईर्ष्या बहुत बढ़ गई है, ऐसे बहुत कम रिश्ते बचे हैं जिनमें खटास नहीं है। कुछ लोग इस खुशफहमी में रहते हैं कि उनकी इन्क्वायरी गलत नहीं निकल सकती.. तहकीकात करने पर पता चलता है कि इनके प्रियजन और उनके करीबी मित्र ही इनके बारे में गलत बातें कहते हैं। याद रखें कि राजा जनक ने सीता माता को सूझबूझ कर ही प्रभु राम को सौंपा था।

अच्छे-अच्छे घरों के पढ़े-लिखे लड़के-लड़कियां 32, 34, 36 की उम्र तक बैठे हैं... कुंडली के साथ-साथ लोग ज्यादा पूछताछ में फंस रहे हैं, याद रखें भगवान कृष्ण के मामा कंस थे और पांडवों के चाचा धृतराष्ट्र थे... तो हम किस खेत की मूली है।

कई जगह पूछताछ सही मिलने के बावजूद कुछ हफ्तों में सगाई टूट रही है। आज आये दिन सुनने में आ राह कि रात में फलदान हुआ और दूसरे दिन टूट गया। फिर कहते है भैया हम तो बहुत बच गये फलां लडका ऐसा था फलां लड़की ऐसी थी। पहले अच्छी तरह विचार लें फिर संबंध करे। यदि किसी कारण से संबंध टूट भी जाता है तो समाज में बच्चों की बुराई न करें। हो सकता है आपको गलतफहमी हो और आपको गलत जानकारी मिली हो। गलतफहमी के शिकार हुए युवक- युवती के बारे में लोगों की धारणा गलत बन जाती हैं। आपका सबंध छूट गया तो बोल दीजिए योग, निमित्त नहीं थे। पर उस परिवार को और बच्चों को बदनाम न करे। वैसे ही हमारी जैन समाज मुट्ठी भर है और ऐसे कार्य के कारण उनके मन में वितृष्णा उत्पन्न हो जाती है। पर कुछ महीनों में शादी टूट रही है, इसकी वजह क्या है?...

हमें सचेत रहने की आवश्यकता है.. केवल बाहर की सजावट पर ध्यान न दें... ध्यान रखें फलों से लदे वृक्ष को ही पत्थर मारे जाते हैं... अंततः सिर्फ और सिर्फ मुलाकात करने पर ध्यान दें अधिक जानकारी निकालने में न फँसे...

परिवार से मुलाकात करें उनके घर पर जाए, दुकान पर जाकर मिले और अपने अनुभव से जाँच पड़ताल करें अपनी बुद्धि से निर्णय ले.. किसी दूसरे या तीसरे की बुद्धि से निर्णय न लें।

केवल मोबाइल पर व्हाट्सएप खेलने से कुछ नहीं होगा। घर बैठे बैठे निर्णय न लें एक बार स्वयं अपनी आँखों से देखे। जब हम सामने से जाकर देखते हैं तो हमारी धारणा बदल जाती है।

जिंदगी में कभी न कभी शादी का पल जरुर आता है, शादी से पहले सगाई की जाती है। सगाई एक तरह से शादी पक्की करने की औपचारिक घोषणा है, इसके साथ ही ये रिश्ता आगे बढ़ता है।

सोशल मीडिया के आधुनिक दौर में लड़के और लडकी को बहुत सावधानी बरतने की जरुरत है। अक्सर देखा जाता है कि शादी पक्की होने के बाद लड़का और लड़की फोन पर और वीडियो कॉल पर घंटों बातें करते हैं। इस दौरान दोनों ही एक दूसरे को बारीकी से नोटिस कर रहे होते हैं। बहुत ज्यादा बात करने में कई बार बात गलत फंस जाती है। उनके मुँह से कुछ ऐसा निकल जाता है, जो उनके रिश्ते पर असर डाल सकता है। इसलिए शादी होने तक अपने मंगेतर से बातचीत मर्यादा में रहकर ही करें। पूरे दिन खुद को फोन पर बिजी नहीं रखें। इसके अलावा शादी से पहले मंगेतर से कम मिलें या हो सके तो न मिलें।

बातचीत में सम्मान का ख्याल रखें – अपनी बातचीत में भाषा का ख्याल रखें, साथ ही मंगेतर को पूरा सम्मान दें। शादी के बंधन में बंधने के बाद एक दूसरे पर भरोसा और एक दूसरे का सम्मान ही इस रिश्ते को मधुर बनाकर रखता है इसलिए कभी भी अभद्रता का व्यवहार न करें और दूसरे पक्ष पर कभी रौब न झाड़े। लेकिन याद रखें कि शादीशुदा जीवन में दो लोग जीवनसाथी बनते हैं। इस रिश्ते में दोनों का औहदा बराबरी का होता है। ऐसे में अपने मंगेतर को किसी भी हाल में अपनी बातों से दबाने का प्रयास नहीं करना चाहिए। आपका रौब आपके रिश्ते में दरार डाल सकता है। एक दूसरे की इच्छा का सम्मान करें और समझने का प्रयास करें। फिर आपस में विचार नहीं मिल रहे ये कहकर रिश्ता खत्म।

परिवार को लेकर गलत न कहें – चाहे लडक़ा हो या लडक़ी, दोनों ही अपने जीवनसाथी से ये उम्मीद करते हैं कि वो उनके परिवार वालों का सम्मान करेंगे। इसलिए कभी भी परिवार को लेकर कोई ऐसी बात न कहें, जो सामने वाले को सुनने में बुरी लगे, ऐसी स्थिति में आपका रिश्ता टूट भी सकता है और अगर नहीं टूटा, तो भविष्य में आपके मंगेतर के मन से वो बात आसानी से नहीं निकल पाएगी।

वर्तमान में मंगेतर फिल्मी दुनिया में जीते हैं। रियल लाइफ नहीं रॉयल व रील लाइफ में जीना चाहते हैं यदि यहां कोई कमी रह जाती है तो रिश्ता टूटने में देर नहीं लगती है। वर्तमान में विवाह के गहने, कपड़े, खानपान, प्री वेडिंग शूट, शादी के बाद कहां घूमने जाना आदि बातों को लेकर भी रिश्ते टूट रहे है।

दोनों पक्षों को विवाह की मर्यादा समझते हुए शालीनता पूर्वक अपना व्यवहार बनाना चाहिए ताकि संबंध हो या ना हो पर मन में खटास ना हो और जय जिनेन्द्र कर सके।

साभार - जैन युवक युवती बायोडाटा संघ

लोक सेवा आयोग व न्यायिक सेवाओं की परीक्षा की तैयारी हेतु प्रवेश प्रारंभ

परम पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री विद्यासागर जी के आशीर्वाद से एवं दिगम्बर जैन पंचायत ट्रस्ट चौक भोपाल के अंतर्गत अनुशासन भोपाल द्वारा **UPSC ,MPPSC ,CJ** हेतु छात्राओं को आवास, भोजन, टेस्ट-सीरीज एवं टॉपर्स, वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मार्गदर्शन, क्लासेस इत्यादि सुविधाएँ दी जाती है। अपना आवेदन प्रस्तुत करें। केवल छात्राओं हेतु। *** पंजीयन दिनांक- 06 अप्रैल से 30 मई 2023 * परीक्षा दिनांक - रविवार 04 जून 2023 * समय -प्रात: 9 से 11 बजे तक * स्थान - अनुशासन परिसर, श्री आदिनाथ जिनालय, हबीबगंज, भोपाल।**

आवेदन करें **http://anushasanbhopal.com/Registration.aspx**

आवेदन हेतु इस नंबर पर सम्पर्क करें- मुकेश जी 85169 10423, सौरभ जी 9300620640, और अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें - 9926494401,9826050613, 9425326269, 7987104906, 9826459828

वालचंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी, सोलापुर (महाराष्ट्र)

देश का प्रथम जैन माइनॉरिटी तथा Autonomous Engineering College हैं। यह इंस्टिट्यूट AICTE Approved VWm NBA, नई दिल्ली और NAAC, बैंगलुरु द्वारा मान्यता प्राप्त हैं। फर्स्ट ईयर इंजीनियरिंग एडमिशन के लिए इस इंस्टिट्यूट में 51% सीटें जैन छात्रों के लिए आरक्षित है। जैन छात्रों एवं छात्राओं के लिये स्वतंत्र होस्टल (छात्रावास) तथा होस्टल मे जिन चैत्यालय, सेल्फ कन्टेन्ट रुम एवं जैन भोजन की उत्तम व्यवस्था है। यह जानकारी आप सभी आपके शहर के जैन परिवारों तक पहुंचायेंगे, यही आशा करते हैं, धन्यवाद !

इंस्टीट्यूट की वेबसाइट: https://witsolapur.org/

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

+91 7588571100, +91 75885 81100

* विनम्र श्रद्धांजली *

* श्री मुकेश कुमार, राकेश कुमार जैन राकेंद्रु फणीश के पिताजी **श्री उत्तमचंद फणीश** का 16 जनवरी को देवलोक गमन हो गया है।

* **श्री स्वतंत्र जैन** के पिताजी श्री पूरन चंद जैन का देवलोक गमन दिनांक 18 जनवरी 23 को इन्दौर में हो गया। आप समाज के वरिष्ठ सदस्य थे।

* श्री शीलचंद जैन की धर्मपत्नी व श्री मुकेश जैन अनिल कुमार जैन की माताजी **श्रीमती मनोरमाबेन जैन** का देवलोकन गमन 21 जनवरी को अहमदाबाद में हो गया है आप काफी धार्मिक व सरल स्वभाव की महिला थी।

* श्री राकेश, अनिल, राजेश, मुकेश एवं जिनेश जैन के पिताजी **श्री शीलचंद जैन** (पूर्व प्राचार्य) का देवलोकन गमन 30 जनवरी को भोपाल में हो गया है।

* श्री राहुल जैन एवं प्रद्युम्न जैन के पिताजी **श्री कमल कुमार जैन** का देवलोकगमन 5 फरवरी को भोपाल में हो गया।

* श्री कैलाशचंद मोदी की धर्मपत्नी एवं श्री राहुल जैन की माताजी **श्रीमती बैनीबाई जैन** का देवलोकगमन 8 फरवरी को तालबेहट में हो गया।

* श्री अतुल कुमार जैन, अनिल कुमार जैन व आशीष कुमार जैन के पिताजी **श्री पूरनचंद जैन** का देवलोकगमन 17 फरवरी को इन्दौर में हो गया है आप सामाजिक व धार्मिक कार्यों में बढ़ चढ़कर अपनी भागीदारी रखते थे। आपके परिवार की ओर से 1100 रु. की राशि समाज को दी गई।

* **श्री शिखरचंद फुंदीलाल जैन** का देवलोक गमन 19 फरवरी को अहमदाबाद में हो गया।

* श्री सुशील कुमार एवं नरेन्द्र कुमार जैन के पूज्य पिताजी **श्री शिखरचंद जैन** पवावालों का देवलोकगमन 25 फरवरी को तालबेहट में हो गया। आप श्री 1008 दि. जैन सिद्धक्षेत्र पवागिरीजी के संरक्षक रहे।

* स्वर्गीय श्री पन्नालाल जी मऊवालों की धर्मपत्नी एवं श्री सुरेश जैन व निर्मल जैन की माताजी **श्रीमती कपूरी बाई जैन (दिगोडा वाली)** का देवलोकगमन 8 मार्च को इन्दौर में हो गया। आप धार्मिक व सरल स्वभाव की महिला थी, धार्मिक कार्यों में आपकी उपस्थिति हर समय बनी रहती थी आपके परिवार की ओर से गोलालारीय समाज मंदिर को स्मृति स्वरुप 2100 रु. की दान राशि दी है।

* श्री कैलाशचंद जी (ललित रेडियो) एवं श्री मोहित व ललित की माताजी **श्रीमती राजकुमारी जैन** का देवलोक गमन 17 मार्च को ललितपुर में हो गया। आप धार्मिक व सामाजिक कार्यों में विशेष रुचि रखती थी।

* श्री सुरेशचंद जैन पंचरतन के भाई **श्री महेश जैन एसबीआई** का देवलोकगमन 17 मार्च को भोपाल में हो गया। आप सामाजिक व धार्मिक कार्य में विशेष रुचि रखते थे। भोपाल गोलालारीय समाज में पदाधिकारी भी रहे व नेहरु नगर मंदिर में भी आप पदाधिकारी रहते हुए जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वाह किया।

* श्री अरुणकुमार जैन कोटावालों की धर्मपत्नी **श्रीमती राजकुमारी जैन** का देवलोकगमन 27 मार्च का हो गया। आप ललितपुर निवासी श्री महेन्द्रकुमार चूना वालों की सुपुत्री थी।

* श्री अरविन्द, देवेन्द्र, प्रसन्न, राजेश जैन के भाई **श्री प्रफुल्ल कुमार जैन** का देवलोकगमन 3 अप्रैल को हैदराबाद में हो गया। आप धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में रुचि रखते थे। आप मूलत: तुमसर के रहने वाले थे।

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से सादर श्रद्धांजलि।

भोपाल का स्नेह सम्मेलन संपन्न

संजय जैन 'लालू', भोपाल । श्री दिगम्बर जैन गोलालारीय समाज भोपाल का स्नेह सम्मेलन **'प्रदीप्त 2023'** तुलसी मानस भवन श्यामला हल्स में दिनांक 26 मार्च को अपने वैभव और प्रसन्नता के साथ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का प्रारम्भ मंगलाचरण से कु. अद्रिका जैन के द्वारा किया गया एवं श्रीमती रिद्धि जैन ने स्वागत गीत से अतिथियों का वंदन किया, दीप प्रज्वलन व महावीर स्वामी का चित्र अनावरण अतिथियों ने किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुति छोटे बच्चों ने दी, समाज के प्रतिभाशाली बच्चों एवं बड़ों को सम्मानित किया गया। इसके बाद नगर में आये नये परिवारों ने अपना परिचय समाज को दिया, साथ ही समाज के लोगों ने पुरानी समिति को नई कार्यकारिणी का गठन करने के लिए निवेदन किया और लिखित प्रस्ताव समाज के पांच विशिष्ट जनों को पत्र के माध्यम से दिया।

कार्यक्रम के विशेष अतिथि श्रीमती रेखा प्रदीप जैन एंव सुश्री सिमी जैन जी असिस्टेंट कमिश्नर (जी.एस.टी.) मौजूद रही ।

वर्तमान कार्यकारी अध्यक्ष धन्यकुमारजी ने सभी सम्माननीयों का स्वागत किया, सचिव डॉ सुधीर जैन ने मंच का संचालन किया। समाज के अतिविशिष्ट व्यक्ति स्व. कस्तूर चंद्रजी एवं स्व. प्रदीपजी नौहरकलां को समाज को संगठित करने एवं अध्यक्ष रहने पर 'स्मृति शेष' पत्र सम्मान उनके परिवार को दिया।

कार्यक्रम में मुख्य रुप से अशोक कुमारजी शांति सीड्स (पूर्व अध्यक्ष), नरेंद्र कुमार जी स्टेट बैंक, ज्ञानचंद जी, राजेश राखपंचमपुर, इं.विद्या कुमार जैन, राकेश भानपुर, प्रचार मंत्री विनीत कुमार, मंत्री संजय जैन (लालू), सुनील जैन पोस्ट ऑफिस सहित सैकड़ों की संख्या में समाजजन उपस्थित हुए। कार्यक्रम समापन पर स्नेह भोज के साथ समिति के मंत्री संजय जैन (लालू) ने सभी का आभार व्यक्त किया ।

हमारी आत्मा को उज्जवल और प्रवित्र बनाती हैं तीर्थ वंदना : आचार्य श्री विनिश्चय सागर जी

सुधेश जैन, इन्दौर । टीकमगढ़ जिले के ग्राम मड़िया में दिनांक 8 से 13 मार्च तक पंचकल्याणक महोत्सव सानंद संपन्न हुए। पंचकल्याणक महोत्सव के अंतिम दिवस गजरथ परिक्रमा के अवसर पर आचार्य श्री विनिश्चयसागरजी महाराज ने मंगल प्रवचन में कहा कि हमारी आत्मा को उज्जवल बनाती है तीर्थ वंदना इसीलिए हम सभी को भगवान की भक्ति अनिवार्य रुप से करना चाहिए।

टीकमगढ़ झांसी हाईवे मार्ग पर स्थित दिगम्बर जैन सर्वोदय तीर्थ मड़िया में चल रहे पंचकल्याणक महोत्सव के अंतिम दिन विश्वशांति की कामना रखते हुए पंचकल्याणक महोत्सव सानंद संपन्न हुआ ।

इस ऐतिहासिक महोत्सव की पूर्णत: क्षेत्र के चारों और गजरथ जुलूस के साथ परिक्रमा की गई । देश के कई नगरों से आए श्रद्धालु एवं क्षेत्रीय ग्रामों से भारी जनसमुदाय ने गजरथ परिक्रमा में शामिल होकर इस पुण्यदायी महोत्सव के साक्षी बने । गजरथ परिक्रमा में आचार्य श्री अपने शिष्यों के साथ निरंतर शामिल रहे गजरथ फेरी में महोत्सव के सौधर्म इन्द्र श्री संजय-संजना जैन, मड़िया के साथ अन्य सभी प्रमुख पात्रों ने भी बढ़ चढ़कर अपनी सहभागिता निभाई।

मोक्ष कल्याणक दिवस में हुए श्रद्धालुओं ने महाराज जी का आशीर्वाद प्राप्त कर सर्वप्रथम प्रातः अभिषेक, शांतिधारा व नित्यमह पूजन पश्चात 1008 भगवान आदिनाथ का कैलाश पर्वत पर दर्शन, इस अवसर पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री विनिश्चयसागरजी महाराज ने तीर्थ क्षेत्र और उसकी वंदना का फल सभी लोगों को समझाया । उन्होंने कहा कि जिस प्रकार आप लोग प्रतिदिन सामान्य भोजन करते हैं और किसी दिन विशेष पूड़ी पकवान खाने पर आपका मन प्रसन्न हो जाता है उसी प्रकार आप मंदिर तो आप रोज ही जाते हैं परंतु जब किसी दिन तीर्थ क्षेत्र पर पहुंचते हैं और वहां के दर्शन, पूजन, वंदना करते हैं तो आत्मा में विशेष पवित्रता आती है और यह सर्वोदय तीर्थ उसी पवित्रता को प्रदान करने के लक्ष्य से यहां बना है । नगर में पंचकल्याणक महोत्सव होने से नगर धर्ममय हो गया है नगर सहित क्षेत्रभर से आए श्रद्धालुओं ने जो धर्मलाभ लिया है उससे हम सभी का मन अत्यधिक प्रसन्न हो इस अवसर पर चंद्रकुमार जैन, पुरुषोत्तम जैन, कमलेश जैन, सुधीर जैन, रिंकू जैन व महेन्द्र जैन आदि बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे ।

16 सपनों के थीम पर सजी झांकियां

इन्दौर, प्रतिवर्ष के अनुसार महावीर जन्म कल्याणक बहुत धूमधाम से मनाया गया। पूरे इन्दौर में इस वर्ष महावीर जन्म कल्याणक के अवसर पर जो उत्साह देखा गया वह अभूतपूर्व था। हर वर्ष की तरह प्रातःकाल अपने अपने उपनगरों और कॉलोनियों में भगवान श्री महावीर स्वामी की शोभायात्रा निकली। विजयनगर में श्रीजी की शोभायात्रा में महिलाएं लाल चुनरी की साड़ी और पुरुष वर्ग श्वेत कुर्ता पजामा के साथ शोभायमान हो रहे थे। भगवान महावीर के भजनों और उनके संदेशों के नारों से आसमान गुंजायमान हो रहा था। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर से प्रारंभ हुई यह शोभायात्रा आसपास स्थित सड़को और गलियों से होती हुई वापस मंदिरजी में समाप्त हुई जहां भगवान महावीर का जन्म अभिषेक किया गया।

कुमेड़ी स्थित नवनिर्मित श्री आदिनाथ जिनालय में भी भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक का प्रथम समारोह बड़ी धूमधाम से मनाया गया। समाज जनों और आसपास के रहवासियों ने शोभायात्रा द्वारा श्रीजी का भ्रमण कराया और मंदिरजी में जन्म अभिषेक किया। दोपहर में इतवारिया स्थित कांच मंदिर के सामने से परंपरागत शोभा यात्रा प्रारंभ हुई,जिसमें इन्दौर नगर के सभी उपनगरों, विभिन्न सामाजिक संगठनों, सोशल ग्रुपों और अनेक संगठनों की ओर से झांकियां और नृत्य, संगीतमय प्रस्तुतियां दी गई। शोभा यात्रा के लिए इस वर्ष का विषय 'त्रिशला माता के 16 स्वप्न' चुना गया था जिसे विभिन्न समूहों ने झांकी, नृत्य और अन्य माध्यमो से प्रदर्शित किया था। शोभायात्रा में 108 मुनि श्री विमलसागरजी ससंघ भी सम्मिलित हुए। शोभायात्रा में अंत में स्वर्ण रथ पर श्री महावीर स्वामी विराजमान थे, जिनके सारथी श्री नवीन गोधा और आनंद गोधा बने। लगभग तीन 3.50 किलोमीटर की इस शोभायात्रा का समापन कांच मंदिर पर हुआ, जहां पर मुनि श्री ने जन्म अभिषेक की क्रियाएं कराई और आशीर्वचन दिए। पूरी समाज के लिए वात्सल्य भोज की व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम के समापन से पूर्व समाज के विभिन्न प्रतिभाशाली व्यक्तित्वों और समाजसेवियों का सम्मान किया गया।

बा. ब्र. स्वतंत्र जैन को मिली क्षुल्लक दीक्षा ।

आचार्य गुरुवर संत शिरोमणि 108 श्री विद्यासागरजी महाराज द्वारा 21 फरवरी को शिरपुर महाराष्ट्र में भव्य जैनेश्वर दीक्षा प्रदान की गई, दीक्षार्थियों में विदिशा गोलालारीय समाज के जिनेश रेखा जैन के पुत्र बा.ब्र. स्वतंत्र जैन (बौद्धिक भैया) को क्षुल्लक दीक्षा प्रदान की गई और 105 क्षुल्लक श्री गरिष्ठसागरजी नाम प्राप्त हुआ । वर्तमान में क्षुल्लकजी निर्यापक श्रमण 108 श्री अभयसागरजी महाराज के संघ में संघस्थ है ।

आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के परम शिष्य मुनि श्री 108 सरलसागरजी महाराज के पावन सानिध्य में अक्टूबर माह में 1008 श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ पवाजी क्षेत्र पर सानंद संपन्न हुआ । विधान का आयोजन गंजबासौदा के एडवोकेट नेमीचंद जैन लोकतंत्र सेनानी परिवार द्वारा किया गया । विधान का प्रारंभ घट यात्रा के साथ हुआ तथा समापन पर विश्व शांति महायज्ञ, श्री जी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई प्रतिदिन रात्रि में मंगल आरती, भक्तामर पाठ के 48 दीपकों को प्रज्वलित कर महाआरती के तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए । इस अवसर पर गंजबासौदा व अनेक नगरों से पधारें स्नेहीजनों ने धर्म लाभ लिया ।

हार्दिक बधाईयाँ...

कु. आकृति जैन का नीट पीजी में चयन हो गया है । आप ललितपुर निवासी श्री अनिल कुमार जैन नारियलवाले की सुपुत्री है ।

कु. सादगी देवेन्द्र कुमार जैन ने अहमदाबाद में सी.एस. की परीक्षा में द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपने परिवार व समाज का नाम रोशन किया ।

विदिशा आल इन्डिया चार्टर्ड एटाउन्टस की परीक्षा में विदिशा नगर की **नैन्सी जैन** ने परीक्षा उत्तीर्ण कर सी.ए बन गयी है। आप महेश जैन से.नि. नायब तहसीलदार,(ग्यारसपुर वाले) की बेटी है।

कु. श्रेया सुपुत्री सोमेन्द्र कुमार जैन एवं **रचित जितेन्द्र कुमार जैन** रामगंज मंडी, कोटा ने राज्य स्तर पर कराटे प्रतियोगिता कोटा व सीकर में स्वर्ण पदक प्राप्त किया । गणतंत्र दिवस के अवसर पर उच्च अधिकारियों द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानन किया गया ।

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से बहुत बहुत बधाई ।

।। विनम्र श्रद्धांजली ।।

-: कीर्ति शेष :-

स्व. श्रीमती राजकुमारी जैन

(धर्मपत्नी - श्री कैलाशचन्द जैन)

जन्म : 17 अक्टूबर 1951 देह परिवर्तन : 17 मार्च 2023

श्रद्धेय मातुश्री हम सभी पर अत्यंत करुणा भाव से सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य का आशीष देकर धार्मिक नैतिकता एवं सामाजिक सेवाभाव का पाठ पढ़ाते हुए अत्यंत समताभाव से मोह, ममत्व एवं लोभ का त्याग करते हुए निस्पृहभाव से देह परिवर्तन कर गई ।

शेष रही उनकी पावन स्मृति,

सादर श्रद्धा सुमन अर्पण

वट वृक्ष की शाखायें -

पुत्र-पुत्रवधु : मोहित-श्रीमती नीलम जैन, ललितपुर * ललित-श्रीमती सुलभा जैन, कोटा

पुत्री-दामाद : श्रीमती सीमा-प्रमोद जैन, गंजबासौदा * श्रीमती कविता-राजेन्द्र जैन, इन्दौर
श्रीमती शिप्रा-इन्द्रसेन जैन, नौगाँव * श्रीमती श्वेता-अनन्त जैन, इन्दौर
श्रीमती अमिता-संजीव जैन, इन्दौर

दादी, नानी की गोद के छौने : आयुष, मधुर, अरिहंत, चित्रांशी, श्रुति, आगम, अक्षत, अंशिका आदि, शचि, मनन, वसुधा

मोबाइल : 09452576687, 09450034216, 8890706400

प्रतिष्ठान : ललित रेडियोज एण्ड इलेक्ट्रीकल्स, चौबे मार्केट, ललितपुर (उ.प्र.)

नव दाम्पत्य की हार्दिक शुभकामनाएँ...

चि. सरल

सुपौत्र : श्रीमती ऊषा-अभयकुमार जैन
सुपुत्र : श्रीमती सीमा-स्व. श्रीपाल जैन, पूराविरधा, तालबेहट ललितपुर

सौ.कां. सौम्या

सुपौत्री : स्व. श्रीमती बसंतीबाई-स्व. श्री कोमलचंदजी जैन
सुपुत्री : श्रीमती अंजना-श्री सुरेन्द्रकुमारजी जैन, मालथोन, सागर

का शुभ विवाह

दिनांक 8 फरवरी को पावागिरजी, तालबेहट में हर्षोल्लासपूर्वक संपन्न हुआ ।

ताई-ताऊजी : रचना-पुष्पेन्द्रकुमार जैन, विनीता-वीरेन्द्रकुमार जैन एवं समस्त दिवाकीर्ति परिवार

नगर गौरव बाल ब्रह्मचारी संजय भैया बने, मुनि सानंद सागर जी

आचार्य आर्जव सागर जी के करकमलों से महावीर जयंती के दिन जबलपुर में हुई मुनि दीक्षा ।

शांतिकुमार जैन, गंजबासौदा । नगर गौरव बाल ब्रह्मचारी संजय भैया (बरवाई वाले) ने जबलपुर में आचार्य आर्जव सागर जी महाराज से सांसारिक जीवन का त्याग कर, आध्यात्मिक जीवन की ओर कदम बढाते हुए मुनि दीक्षा को अंगीकार कर, दिगम्बर मुनि पद को धारण किया । माता-पिता द्वारा दिया गया, ब्र. संजय भैय्या संसारिक नाम एवं पहचान को एक क्षण में त्याग कर अब मुनि सानन्द सागर जी के नाम से अपनी पहचान प्राप्त करेंगे। सकल जैन समाज गंजबासौदा एवं पूरा नगर ब्र. संजय जैन की मुनि दीक्षा से अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रही है। सांसारिक जीवन परिचय में मुनि सानंद सागर जी महाराज का जन्म 26 जनवरी 1969 गंज बासौदा में हुआ । माता-पिता ने आपका नाम संजय जैन रखा। आपने एमबीबीएस, होम्योपैथी एक्यूप्रेशर मैग्नेट विषय में उच्च शिक्षा प्राप्त की। पिता का नाम श्री ज्ञान चंद जी जैन एवं माता का नाम श्रीमती सुमत रानी जैन था। जो कि ग्राम बरवाई की मूल निवासी थे। आपकी माताजी ने जीवन भी सांसारिक जीवन का त्याग कर, 10 प्रतिमा अंगीकार की और क्षुलिक्का आत्मश्री माता के नाम के साथ सल्लेखनापूर्वक, समाधि मरण को प्राप्त किया। सांसारिक जीवन में आपके तीन भाई और एक बहन रहे। आपने सन 1990 में संत शिरोमणि आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज कि के कर कमलों से आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत को धारण किया। लगातार 33 वर्षों तक धर्म ध्यान एवं अध्यात्म के पथ पर चलते हुए अमरकंटक में विराजमान आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज से मुनि पद प्राप्त करने हेतु आतुर रहे। लेकिन वर्तमान में आचार्य श्री जी का स्वास्थ्य प्रतिकूल होने के कारण, दीक्षा संभव नहीं हो पाई। आचार्य श्री से आशीर्वाद लेकर 2 अप्रैल 2023 को जबलपुर में विराजमान आचार्य आर्जव सागर जी महाराज के दर्शनार्थ पहुंचे।

03 अप्रैल को प्रातःकाल महावीर जयंती के साथ-साथ समाजजन जबलपुर में आचार्य आर्जव सागर जी महाराज का मुनि दीक्षा दिवस भी मना रहे थे, तभी आपने भी आचार्य आर्जव सागर जी महाराज के समक्ष मुनि दीक्षा के भाव प्रकट किये। आचार्य आर्जव सागर जी महाराज ने योग्यता और अनुभव को देखते हुए दीक्षा का आशीर्वाद प्रदान किया । आचार्य श्री ने भगवान महावीर जयंती के दिन दोपहर को ब्र.संजय भैय्या को जबलपुर जैन समाज के समक्ष मुनिपद प्रदान कर आत्मकल्याण की ओर अग्रसर किया।

महावीर जन्मोत्सव हर्षोल्लासपूर्वक संपन्न...

अरविन्द कुमार जैन, बाकल, जबलपुर । महावीर जन्मोत्सव पर हनुमान ताल जैन बड़े मंदिर से भव्य शोभायात्रा प्रारंभ हुई जिसमें नगर के 22 जिनालयों की पालकीयां भी सम्मिलित हुई । भव्य शोभायात्रा का जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया । शोभायात्रा में पालकी की आरती समाजजनों द्वारा जगह जगह की गई । शोभायात्रा में नगर में विराजमान 108 आचार्य श्री आर्जव सागर व 108 श्री प्रज्ञासागर महाराज का ससंघ सानिध्य प्राप्त हुआ। श्री जी के अभिषेक उपरांत शोभायात्रा में शामिल समाजजनों की स्वरुचिभोज की व्यवस्था की गई थी । रात्रि में कमानिया गेट पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें लोगों ने सुबह 5:00 बजे तक कवि सम्मेलन में पधारे कवियों की कविताओं सुनकर आनंद उठाया।

इसके पूर्व में महावीर जन्मोत्सव के मंगल अवसर पर 31 मार्च को समाज के वरिष्ठजनों एवं पदाधिकारियों द्वारा वृद्धाश्रम एवं कुष्ठ आश्रम जाकर फल वितरण किया गया तथा वहां पर भगवान महावीर स्वामी के संदेशों का वाचन किया गया। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक श्री राजकुमार जैन एसबीआई, श्री निर्मल कुमार जैन ज्योतिषाचार्य, श्री अरविंद जैन भाईजी, श्री अरविन्दकुमार जैन बाकल, श्री जयकुमार जैन, श्री अश्विन जैन, श्री आलोक जैन, श्री ऋषभ जैन मोदी एवं श्री रितेश मोदी का विशेष सहयोग रहा। 1 अप्रैल को नवयुवक सभा के तत्वाधान में महावीर जयंती के अवसर पर नर्मदा तट पर 1008 दीपों की से ग्वारीघाट के उमा घाट पर भगवान महावीर स्वामी जी की महाआरती की गई

साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए हुए सम्मानित

विशाल जैन 'पवा'

ललितपुर। अहिंसा सेवा संगठन के संस्थापक विशाल जैन पवा को हिन्दू नववर्ष की पूर्व संध्या विश्व कविता दिवस पर भावना कला एवं साहित्य फाउंडेशन जयपुर, राजस्थान ने कविता पाठ, कविता प्रकाशन, कला एवं साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए **अखिल भारतीय काव्य शिरोमणि सम्मान** 2023 एवं बिहार के जिला जमुई अंतर्गत झाझा 811308 से संचालित के. बी. राइटर्स अंतर्राष्ट्रीय साहित्यिक मंच ने साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए **के.बी. राइटर्स कलमकार सम्मान** 2022 से सम्मानित किया एवं कूलंकषा साप्ताहिक व्यंग्य-गद्यात्मक प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर **काव्य गरिमा सम्मान** से विभूषित किया एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किये।

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने है, संपादक मंडल का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है । किसी भी प्रकार का विवाद होने पर न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा ।